लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3273

12 जुलाई, 2019 को उत्तर दिए जाने के लिए

जम्मू और कश्मीर में रेशम उत्पादन

3273. श्री हसनैन मसूदीः

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) जम्मू और कश्मीर में रेशम उत्पादन हेतु मंत्रालय द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं;

(ख) जम्मू और कश्मीर स्थित केन्द्रीय रेशम उत्पादन शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान, पम्पोर में कार्यकरण का ब्यौरा क्या है; और

(ग) जम्मू और कश्मीर के लिए मंत्रालय द्वारा अन्य क्या पहलें की गई हैं?

उत्तर

वस्त्र मंत्री

(श्रीमती स्मृति ज़ूबिन इरानी)

(क) से (ग) केन्द्रीय क्षेत्र की योजना के तहत भारत सरकार द्वारा जम्मू एवं कश्मीर (जेएंडके) राज्य सहित देश में रेशम उत्पादन के विकास के लिए 3 वर्षों (2017-2020) के लिए 2161.68 करोड़ रूपए के कुल परिव्यय से केन्द्रीय रेशम बोर्ड के माध्यम से कार्यान्वित 'सिल्क समग्र का उद्देश्य गुणवत्ता एवं उत्पादकता में सुधार करके उत्पादन में वृद्धि करना है। इस योजना में आर एंड डी, बीज, समन्वय और विपणन तथा गुणवत्ता प्रमाणन प्रणाली/ब्रांड संवर्धन नामक चार मुख्य घटक शामिल हैं जो आपस में जुड़े हुए हैं और उनका उद्देश्य समान है। इस योजना में शहतूत, वान्या और कोकून पश्च क्षेत्रों की सहायता करने के लिए लाभार्थी उन्मुख विभिन्न घटक भी हैं। इन कार्यक्रमों में कौशल विकास/उद्यम विकास कार्यक्रम के माध्यम से (i) होस्ट प्लांट का विकास और प्रसार, (ii) रेशम कीट बीज बहुगुणन अवसंरचना का सुदृढ़ीकरण और सृजन, (iii) फार्म और पोस्ट-कोकून अवसंरचना का विकास, (iv) रेशम में रीलिंग और प्रौसेसिंग प्रौद्योगिकी का उन्नयन और (v) क्षमता निर्माण जैसे मुख्य क्षेत्र शामिल हैं।

जम्मू और कश्मीर के संबंध में राज्य रेशम विभाग, जे एंड के सरकार से प्राप्त प्रस्ताव के आधार पर सीएसबी ने सिल्क समग्र के तहत लाभार्थी उन्मुख विभिन्न घटकों के क्रियान्वयन के लिए वर्ष 2017-18 और 2018-19 के दौरान क्रमशः 464.85 लाख रुपए और 631.88 लाख रुपए की राशि जारी/व्यय की है।

जम्मू और कश्मीर की अनुसंधान प्रशिक्षण और विस्तार संबंधी जरुरतों को पूरा करने के लिए सीएसबी ने राज्य में सीएसबी के पूर्ववर्ती क्रियाकलापों को फिर से शुरू करने के लिए 1994 के दौरान पंपोर, श्रीनगर, जेएंडके में केंद्रीय रेशम अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थान (सीएसआर एंड टीआई) की स्थापना की है। यह संस्धान 2 क्षेत्रीय रेशम अनुसंधान स्टेशनों (आर एस आर एस) और 8 अनुसंधान विस्तार केंद्रों के नेटवर्क के माध्यम से अनुसंधान और विकास तथा मानव संसाधन विकास में सक्रियता से लगा हुआ है, जिनमें से एक आरएसआरएस जम्मू में, दो आरईसी बारनोटी और लाम्बेरी में कार्य कर रहे हैं। इसके अलावा, जेएंडके राज्य में स्थित पी 4 बेसिक सीड फार्म (बीएसएफ) मनसबल, आरएंडडी और विस्तार संबंधी जरूरतों को पूरा कर रहा है। दुन 17xदुन 18, दुन 6x दुन 22, एस एच6 x एनबी 4 डी2, एसओएच1 और रेशम उत्पादन के माध्यम से किसानों की आय को बढ़ाने के लिए सीएसआरएनटीआई पंपोर द्वारा शहतूत की उन्नत किस्मों जैसे एस140, एस146 और पीपीआर1 विकसित किए गए हैं। सीएसबी, अत्याधुनिक मृदा परीक्षण सुविधाएं प्रदान करने के अलावा 6 क्लस्टरों (2 मेगा क्लस्टरों सहित) के माध्यम से तकनीकी सहायता प्रदान करके बाइवोल्टाइन उत्पादन कार्यक्रम का संवर्धन कर रहा है। संस्थान और प्रौद्यौगिकी पहल के निरंतर प्रयासों के कारण बाइवोल्टाइन कोकून की औसत उपज 27 किग्रा/100 डीएफएल (1994) से बढ़कर 46.81 किग्रा/100 डीएफएल (2018-19) हो गई है।

*****